राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 29 अक्टूबर, 2025 की बैठक का कार्यवृत्त

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 29 अक्टूबर, 2025 को 05.00 बजे प्रशासनिक खण्ड के प्रथम तल पर स्थित समिति कक्ष में निदेशक महोदय की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए -

1.	आचार्य अमित पात्रा, निदेशक	-	अध्यक्ष
2.	आचार्य अनिल कुमार त्रिपाठी	-	उपाध्यक्ष
3.	आचार्य एन.के.मुखोपाध्याय, अधिष्ठाता (संकाय कार्य)	-	सदस्य
4.	आचार्य देवेन्द्र सिंह, अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य)	-	सदस्य
5.	आचार्य राजेश कुमार, अधिष्ठाता (छात्र कल्याण)	-	सदस्य
6.	आचार्य हीरालाल प्रामाणिक, अधिष्ठाता (संसाधन एवं पूर्व छात्र)	-	सदस्य
7.	आचार्य आभा मिश्रा, अधिष्ठाता (अनुसंधान एवं विकास)- प्रभार	-	सदस्य
8.	श्री सुमित कुमार बिस्वास, कुलसचिव	-	सदस्य
9.	आचार्य सुशांत कुमार श्रीवास्तव, भैषजकीय अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विभाग	-	सदस्य
10.	आचार्य अनिता मोहन, भौतिकी विभाग	-	सदस्य
11.	श्री राजन श्रीवास्तव, संयुक्त कुलसचिव (प्रशा0)	-	सदस्य
12.	डॉ. सर्वेश कुमार तिवारी, संयुक्त कुलसचिव (प्रशा0 एवं लेखा)	-	सदस्य
13.	डॉ. लावण्या सेल्वागनेश, सह आचार्य, गणितीय विज्ञान विभाग	-	सदस्य
14.	डॉ. अमित कुमार सिंह, उप कुलसचिव (राजभाषा)	-	सदस्य सचिव

आचार्य संजय कुमार पांडेय किसी सम्मेलन में सहभागिता के कारण बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

उपरोक्त बैठक में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों के अतिरिक्त श्री शशांक पाठक, हिंदी अनुवादक तथा वेबसाइट से जुड़े मुद्दे के लिए श्री महेश पांडेय, प्रणाली विशेषज्ञ (ग्रेड-1) उपस्थित रहे। अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यसूची के मदों पर चर्चा प्रारम्भ की गई।

मद सं. 1: राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 17 जून, 2025 की बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि:

समिति को यह अवगत कराया गया कि दिनांक 17 जून, 2025 को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के कार्यवृत्त की समिति ने पुष्टि कर दी थी।

मद सं. 2: राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 17 जून, 2025 की बैठक में लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई की समीक्षा:

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 17 जून, 2025 की बैठक में लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई की समीक्षा करते हुए निम्नलिखित निर्णय लिए गए:

1. संस्थान की वेबसाइट (iitbhu.ac.in) के हिंदीकरण के क्रम में श्री महेश पांडेय, वेब मैनेजमेंट से यह जानकारी प्राप्त हुई कि अँग्रेजी में विद्यमान वेबसाइट का तकनीकी उन्नयन (technology upgradation) के बाद ही हिंदी वेबसाइट का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इस संबंध में श्री महेश पांडेय ने बताया कि शीघ्र ही तकनीकी उन्नयन का कार्य समाप्त करके राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अगली बैठक में वेबसाइट का मुख्य पृष्ठ वाला भाग हिंदी में करके दिखाया जाएगा।

2. निदेशक महोदय के अनुमोदन से राजभाषा पत्रिका के नाम 'अभ्युदय' को सभी ने प्रशंसा व्यक्त की तथा प्रथम पृष्ठ के बाद दूसरे पृष्ठ पर उदीयमान, ज्ञान अभिवृद्धि को अंकित करने का निर्णय हुआ। इस संबंध में लिए गए निर्णय इस प्रकार है :

   क) अभ्युदय के पीछे बैकग्राउंड में उगते हुए सूर्य (सूरज) के दृश्य को रखा जाए।

   ख) पत्रिका का विमोचन नए वर्ष में बसंत पंचमी (जनवरी 2026) के पावन दिवस पर किया जाए।

   ग) पत्रिका के पृष्ठों के अंदर नीचे फूटर में मदन मोहन मालवीय जी के कथन/ **उद्‌बोधन** लिखे जाए।

   घ) इस पत्रिका में कोई एक लेख संस्थापक मदन मोहन मालवीय जी से जुड़े हुए किसी प्रसंग/इतिहास के बारे में भी रखने की कोशिश की जाए।

मद सं. 3: राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार को संस्थान की ऑनलाइन माध्यम से भेजी गयी पिछली चार हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्टों की समीक्षा।

समिति के समक्ष पिछली चार तिमाहियों (तिमाही जुलाई 2024 से तिमाही जून 2025) के हिन्दी प्रगति रिपोर्ट को प्रस्तुत किया गया, जिस पर सभी ने प्रशंसा व्यक्त की।

शशांक पाठक

मद सं. 4: संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति में आमंत्रित सदस्य के नाम का चयन करने पर चर्चा।

समिति को यह अवगत कराया गया कि आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल श्री जगदीश नारायण राय, संयोजक, केंद्रीय हिंदी सचिवालय का निधन हो जाने के कारण अन्य किसी आमंत्रित सदस्य को जोड़ना है, जिसके लिए दिये गए नामों पर चर्चा हुई। चर्चा के दौरान यह निष्कर्ष निकला कि एक बार काशी हिन्दू विश्वविद्यालय तथा अन्य संस्थानों से भी संपर्क करके जानकारी प्राप्त कर ली जाए। उस आधार पर किसी आमंत्रित सदस्य को जोड़ा जा सके।

मद सं. 5: संस्थान में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की वर्तमान स्थिति पर चर्चा।

सरोवर के नामकरण के संबंध में

राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष महोदय के द्वारा संस्थान के प्रशासनिक भवन के समीप एवं एनी बेसेंट लेक्चर थिएटर के सामने स्थित सरोवर का नामकरण रखने पर चर्चा हुई। पूर्व में इसके नाम रखने की आवश्यकता तथा कुछ नामों के सुझाव का प्रस्ताव समिति के सदस्य आचार्य सुशांत कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया था। नामकरण के क्रम में अध्यक्ष महोदय ने इस सरोवर का संस्थान से आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक जुड़ाव व आस्था से संबन्धित प्रकरण को रखते हुए यह अनुरोध किया कि इसी के आधार पर एक अप्रतिम नाम रखा जाए। अतः **अनंत सरोवर, प्रज्ञान सरोवर, ज्ञान सरोवर, विज्ञान सरोवर, संस्कार सरोवर, वरदान सरोवर** जैसे अच्छे नामों के सुझाव सदस्यों से प्राप्त हुए। अतः उपरोक्त नामों में से किसी एक नाम को अथवा किसी अन्य नाम को रखने के पीछे तर्क एवं पूर्ण स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के लिए आचार्य सुशांत कुमार श्रीवास्तव जी से अनुरोध करने का निर्णय हुआ है। उसी के आधार पर नाम का अंतिम चयन निदेशक महोदय के अनुमोदन से आगामी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में की जाएगी।

बैठक अध्यक्ष महोदय को धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्पन्न हुई।

(अमित कुमार सिंह) सदस्य सचिव	04/x/ (सर्वेश कुमार तिवारी) सदस्य	(राजन श्रीवास्तव) सदस्य
(अनिता मोहन) सदस्य	(लावण्या सेल्वागणेश) सदस्य	(आभा मिश्रा, अधिष्ठाता प्रभार) सदस्य
04/10/2025 (सुशांत कुमार श्रीवास्तव) सदस्य	(सुमित कुमार बिस्वास) सदस्य	(देवेन्द्र सिंह) सदस्य
(हीरालाल प्रामाणिक) सदस्य	(राजेश कुमार) सदस्य	(एन.के.मुखोपाध्याय) सदस्य
(अनिल कुमार त्रिपाठी) उपाध्यक्ष	21/11/25 **(अमित पात्रा)** **अध्यक्ष**	